नाभि रे कमल नेजा रोपिया हो राज सूरता ऊँची रे चढे

नाभि रे कमल नेजा रोपिया हो,
राज सूरता ऊँची रे चढे।

दोहा – गुरु बीन्जारा ग्यान का,
और लाया वस्तु अमोल,
सौदागर साचा मिले,
वे ले सीर साठे तोल।

नाभी रे कमल नेजा रोपिया हो,
राज सूरता ऊँची रे चढे,
ऊँचो रे चढे ने नीचे जोवियो हो,
राज भारी भारी खेल करे,
हिरलो रा व्यापारिया हो,
राज मोती ओळख लेना।bd।

आमी सामी हाटड़ी ओ,
राज वानियो विनज करे,
मन तोला तन ताकड़ी हो,
राज तोलियो खबर पड़े,
हिरलो रा व्यापारिया हो,
राज मोती ओळख लेना।bd।

सबरण ओरण मोन्डियो हो,
राज हिरलो ऐरन चढे,
माथे घनोने वाला घाव पड़े हो,
राज हिरलो उछो चढे,
हिरलो रा व्यापारिया हो,
राज मोती ओळख लेना।bd।

नदी रे किनारे दो वाडियो हो,
राज मिर्गो अजब चरे,
बाण पच्चीसों रा ठोकिया हो,
राज मिर्गो यूही मरे,
हिरलो रा व्यापारिया हो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राज मोती ओळख लेना।bd।

सोहन वनों रे बीच में हो,
राज हिरलो जगे मगे,
'माली' लिखमोजी री वीनती हो,
राज खोजियों खबर पड़े,
हिरलो रा व्यापारिया हो,
राज मोती ओळख लेना।bd।

नाभि रे कमल नेजा रोपिया हो,
राज सूरता ऊँची रे चढे,
ऊँचो रे चढे ने नीचे जोवियो हो,
राज भारी भारी खेल करे,
हिरलो रा व्यापारिया हो,
राज मोती ओळख लेना।bd।

प्रेषक – श्रवण सिंह राजपुरोहित।
+91 90965 58244

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com